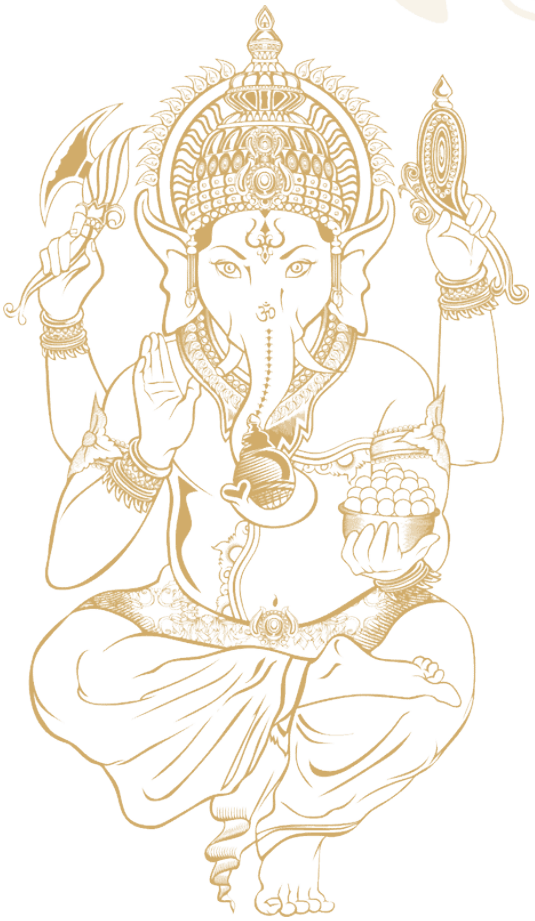

Shivam Nivedita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121472903

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
26/05/1999 :	जन्म तिथि	: 23/10/1998
बुधवार :	दिन	: शुक्रवार
घंटे 18:20:00 :	जन्म समय	: 13:25:00 घंटे
घटी 32:15:51 :	जन्म समय(घटी)	: 17:25:13 घटी
India :	देश	: India
Delhi :	स्थान	: Delhi
28:39:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:25:39 :	सूर्योदय	: 06:26:54
19:10:51 :	सूर्यास्त	: 17:43:53
23:50:42 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:15

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 3वर्ष 5मा 21दि	01:02:19	वृश्चि	लग्न	मक	10:21:48	शनि 13वर्ष 1मा 3दि
गुरु	10:59:56	वृष	सूर्य	तुला	05:52:11	बुध
15/11/2020	00:02:57	तुला	चंद्र	वृश्चि	07:28:44	26/11/2011
15/11/2036	01:06:35	तुला व	मंगल	सिंह	15:44:37	25/11/2028
गुरु 03/01/2023	11:57:03	वृष	बुध	तुला	23:09:24	बुध 24/04/2014
शनि 16/07/2025	00:00:57	मेष	गुरु व	कुंभ	25:04:53	केतु 21/04/2015
बुध 22/10/2027	25:32:35	मिथु	शुक्र	तुला	04:07:01	शुक्र 19/02/2018
केतु 27/09/2028	16:33:11	मेष	शनि व	मेष	06:21:30	सूर्य 26/12/2018
शुक्र 29/05/2031	22:07:25	कर्क व	राहु व	सिंह	05:34:27	चन्द्र 27/05/2020
सूर्य 16/03/2032	22:07:25	मक व	केतु व	कुंभ	05:34:27	मंगल 24/05/2021
चन्द्र 16/07/2033	22:56:23	मक व	हर्ष	मक	14:58:51	राहु 11/12/2023
मंगल 22/06/2034	10:25:17	मक व	नेप	मक	05:35:06	गुरु 18/03/2026
राहु 15/11/2036	15:24:28	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	12:40:21	शनि 25/11/2028

लग्न-चलित

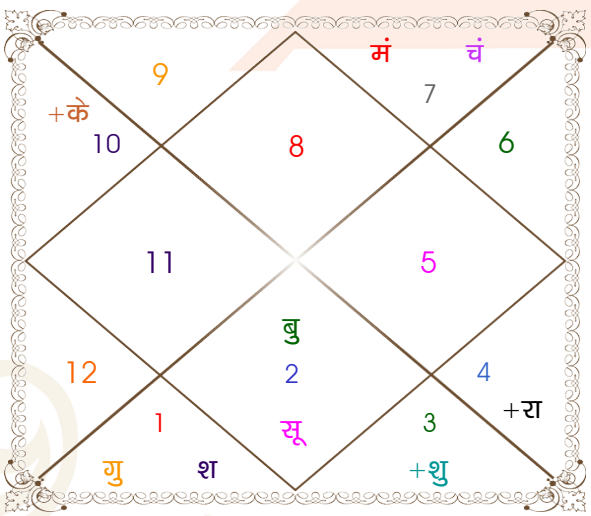

लग्न-चलित

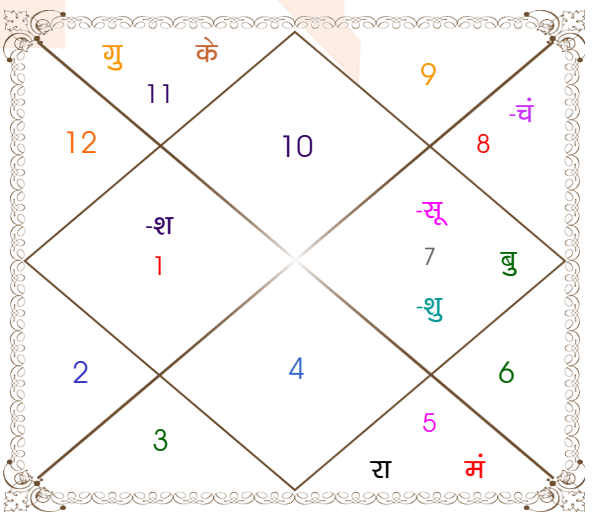

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मृग	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	7.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Shivam का वर्ग मृग है तथा Nivedita का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Shivam और Nivedita का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Shivam मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Shivam कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Shivam कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Nivedita मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Nivedita कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Shivam कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Shivam तथा Nivedita में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।